अस्वीकरण

संदेह से बचने के लिए ग्रीन बॉन्ड प्रिन्सीपल्स जिसका मूल प्रकाशन आईसीएमए की वेबसाइट पर अंग्रेजी भाषा में है. वही दस्तावेज प्रामाणिक है. यह अनुवाद केवल सामान्य संदर्भ मात्र के लिए दिया गया है.

ग्रीन बॉन्ड प्रिन्सीपल्स2017 ,

ग्रीन बॉन्ड जारी करने के लिए स्वैच्छिक प्रक्रिया मार्गदर्शन

2017 जून 2

प्रस्तावना

ग्रीन बॉन्ड मार्केट का लक्ष्य है कि ऋण बाज़ार को सक्षम और विकसित किया जाए जिससे कि वह निधीयन परियोजनाओं में अपनी प्रमुख भूमिका का निर्वहन कर सके जिससे कि पर्यावरण को स्थायित्व प्रदान करने में सहायता हो सके की (जीबीपी) ग्रीन बॉन्ड प्रिन्सीपल्स . सत्यनिष्ठा ग्रीन बॉन्ड मार्केट में उन मार्गदर्शी सिद्धांतों के माध्यम से बढ़ी है जिनमें पारदर्शिता उजागर करने तथा सूचित किए जाने की , ये बाज़ार के प्रतिभागियों द्वारा प्रयोग में लाए जाने के लिए हैं और इन्हें इसलिए बनाया गया है ताकि ऐसी परियोजनाओं .संस्तुति की गई है हेतु पूंजी आवंटन बढ़ाने के लिए आवश्यक सूचना के प्रावधानको गति दी जा सके धन को प्रयोग में लाने पर बल देते हुए जीबीपी का लक्ष्य . .है कि विशिष्ट परियोजनाओं के माध्यम से जारीकर्ता अपने कारोबार के मॉडल को पर्यावरणीय स्थिरता की ओर ले जा सकें

जीबीपी के अनुसार जारी किए जाने से निवेश को अवसर मिलेगा जो कि पारदर्शी हरित प्रमाण वाला होगा यह संस्तुत कर कि जारीकर्ता . जीबीपी से पारदर्शिता में परिवर्तन आएगा जिससे पर्यावरणीय परियोजनाओं में लगने ,ग्रीन बॉन्ड धन के प्रयोग की जानकारी प्रदान करे वाली धनराशि परधयान रहे साथ ही यह लक्ष्य भी है कि इसके अनुमानित प्रभाव संबंधी ,दृष्टि में भी सुधार आए.

जीबीपी से उच्च स्तर की श्रेणियां पात्र हरित परियोजनाओं के लिए मिलती हैं जो कि वर्तमान विविध विचारों के अनुसार मान्यता प्राप्त हैं और पर्यावरणीय मामलों और परिणामों की समझ के प्रति प्रगामी विकास के अनुसार हैं साथ ही अनुपूरक परिभाषाएं देने वाले अन्य पक्षों मानकों , .और वर्गीकरण विज्ञान जिससे कि परियोजनाओं की पर्यावरणीय स्थिरता का निर्धारण हो सके उनके साथ यथावश्यक संपर्क रहता है जीबीपी बाज़ार के सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करता है कि वे इस आधारस्तम्भ को प्रयोग में लाएं ताकि उनकी अपनी रीति नीति- मज़बूत हो सके और संगतएंव व्यापक रूप से अनुपूरक मानदंड स्थापित हो सकें.

जीबीपी अपने सदस्यों और इसके प्रेक्षकों सहित व्यापक समुदाय के योगदान के आधार पर सहयोगी तथा परामर्शकारी है और इसका समन्वय कार्यकारी समिति द्वारा किया जाता है .इन्हें हर साल अद्यतनीकृत किया जाता है जिससे विश्व के ग्रीन बॉन्ड मार्केट के विकास , .और बढ़ोतरी का पता चलता है

जीबीपी का अंक 2017

जीबीपी के इस अंक को जीबीपी के सदस्यों और इसके प्रेक्षकों के ऑटम परामर्श से प्राप्त जानकारी से लाभ हुआ है और जीबीपी 2016 कार्यकारी समिति द्वारा समन्वित कार्य दलों से भी लाभ हुआ है जिनसे परामर्श कर मुख्य विषयों का पता चला है इस बात पर भी बल रहा . है कि जीबीपी कार्यकारी समिति के अलावा भी कार्य दलों को बढ़ा कर उन प्रतिभागियों तक लाया जाए जो कि जीबीपी सदस्यों और प्रेक्षकों में से संगत विशेषज्ञता प्राप्त हैं इस अद्यतनीकरण का एक लक्ष्य यह भी है कि ग्रीन बॉन्ड हितधारियों के समुदाय से व्यापक रूप में उनकी . .चल रही प्रतिक्रियाओं का पता चल सके और बाजार की वर्तमान हलचल को ध्यान में रखा जा सके

की अद्यतन स्थिति इन्हीं चार मुख 2017य घटकों द्वारा तय होती है धन तथा ,परियोजना मूल्यांकन और चयन की प्रक्रिया ,धन का प्रयोग) इससे जीबीपी के साथ जारीकर्ता के तालमेल पर बनी संस्तुति को प्रयोग में लाने के निरंतर प्रयोग में लाने को बल मिलता .(सूचना का प्रबंधन है औरwww.icmagroup.org/resourcecentre संसाधन केन्द्र पर बाहरी विचारों की सामग्री उपलब्ध रहती है 2017 .के अंक से पता चलता है कि .की तुलना में समग्र रूप से जीबीपी की बढ़ोतरी में परिपक्वता संबंधी सीमित परिवर्तन ही आए हैं 2016

जीबीपी में एक नई प्रस्तावना शामिल 2017 हैधन के प्रयोग के अंतर्गत आ .ने वाली हरित परियोजना श्रेणियों को अद्यतनीकृत और पूरा किया जाता है और नई भाषा का लक्ष्य है कि लाई गई ,नवोन्मेष का पता चले साथ ही अपने हाल के पूर्णाधिकार वाले ग्रीन बॉन्डों के संबंध में पता , चले तथा धन के प्रबंधन पर उनकी प्रक्रिया के संबंध में जानकारी देने हेतु संस्तुतियों पर ,जारीकर्ता द्वारा परियोजना मूल्यांकन और चयन . 2017 .स्पष्टीकरण दिए गए हैंके इस अद्यतनीकरण के साथ इम्पैक्ट रिपोर्टिंग पर भी मार्गदर्शन किया गया साथ ही सतत जल और अपशिष्ट जल परियोजनाओं हेतु रूपरेखा सुझाई गई.

ग्रीन बॉन्ड की परिभाषा

ग्रीन बॉन्ड किसी भी तरह का एक बॉन्ड संलेख होता है जिसमें अनन्य रूप से धन निहित होता है जिससे कि आंशिक या पूरी तरह से नई औरवित्त :या विद्यमान पात्र हरित परियाजनाओं को वित्त या फिर पुन/ उपलब्ध करवाया जा सके जो कि (देखें 1 धन के प्रयोग हेतु खंड) 1-इन्हें परिशिष्ट .आज बाज़ार में कई तरह के ग्रीन बॉन्ड हैं .जीबीपी के चार मुख्य घटकों के अनुसार होंमें बताया गया है.

ऐसा समझा जाता है कि कुछ हरित परियोजनाओं के साथ साथ समाज को भी लाभ होता-है और यह कि बॉन्ड धनराशि के प्रयोग का , वर्गीकरणग्रीन बॉन्ड के तौर पर किया जाता है उसे जारीकर्ता द्वारा इस आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए कि इसके अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं के लिए इसका प्राथमिक उद्देश्य क्या हैवे बॉन्ड जिन्हें जानबूझकर हरित औ) .र सामाजिक परियोजनाओं में मिलाया जाता है उन्हें सस्टेनेबिलिटी बॉन्ड कहा जाता है और इन पर विशिष्ट मार्गदर्शन अलग से ,सस्टेनेबिलिटी बॉन्ड मार्गदर्शन.में दिया गया है ,)

यह जान लेना महत्वपूर्ण है कि ग्रीन बॉन्ड वे नहीं होते जो कि जीबीपी के चार मुख्य घटकों के अनुसार न हों.

ग्रीन बॉन्ड प्रिन्सीपल्स

ग्रीन बॉन्ड प्रिन्सीपल्स एक स्वैच्छिक प्रक्रिया मार्गदर्शी सिद्धांत हैं जो ग्रीन बॉन्ड को जारी किए जाने के लिए इसके दृष्टिकोण को (जीबीपी) स्पष्ट करते हुए ग्रीन बॉन्ड बाज़ार के विकास में पारदर्शिता और उजागर करने और इसकी सत्यनिष्ठा को विकसित करने हेतु संस्तुति है . एक भरोसमंद ग्रीन बॉन्ड लाने में शामिल मुख्य घटकों पर मार्गदर्शन :जीबीपी से अभिप्रेत यह है कि बाज़ार का बड़े स्तर पर प्रयोग किया जाए

के साथ जारीकर्ता उपलब्ध करवाना ये निवेशकों की सहायता ग्रीन बॉन्ड निवेशों के पर्यावरणीय प्रभाव के मूल्यांकन के लिए आवश्यक जानकारी की उपलब्धता को बढ़ावा देकर करते हैं और ये बीमा करने वालों की सहायता अपेक्षित रूप से तथ्य उजागर कर करते हैं जिनसे , .कि लेनदेन होगा

जीबीपी में जारीकर्ताओं हेतु स्पष्ट प्रक्रिया और उजागर किए जाने की संस्तुति होती है जिसे निवेशकों ,बीमा कर्ताओं ,निवेश बैंकों ,बैंकों , जीबीपी में .नियोजन अभिकर्ताओं और अन्य द्वारा किसी भी ग्रीन बॉन्ड की विशेषताओं को समझने के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है अपेक्षित पारदर्शिता सटीकता और हितधारियों को जारीकर्ताओं की ओर से उजागर की जाने वाली और बताई जाने वाली सूचना की , .सत्यनिष्ठा पर बल दिया जाता है

जीबीपी के चार मुख्य घटक होते हैं:

1. धन का प्रयोग
2. परियोजना मूल्यांकन और चयन हेतु प्रक्रिया
3. धन का प्रबंधन
4. रिपोर्टिंग

1. धन का प्रयोग

ग्रीन बॉन्ड की आधारशिला यही है कि हरित परियोजनाओं हेतु बॉन्ड की धनराशि को हरित परियोजनाओं में ही लगाया जाए इसमें अन्य) ,(संबंधित और सहयोगी व्यय जैसे कि अनुसंधान एवं विकास शामिल हैंजो कि समुचित रूप से प्रतिभूति हेतु विधिक प्रलेखन में वर्णित हो . सभी पदनामित हरित परियोजनाओं में स्पष्ट रूप से पर्यावरणीय लाभ दिए गए हों जिनका मूल्यांकन किया जाएगा और जहां आवश्यकता हो वहां जारीकर्ता द्वारा इसका परिमाण बताया जाए.

धन को समूचे रूप में या फिर आनुपातिक तौर पर प्रयोग में लाए जाने या फिर इसे पुनवित्त दिए ज :ाने हेतु प्रयोग में लाया जाए तो संस्तुति है कि जारीकर्ता वित्त किए जाने और पुन वित्त किए जाने की दशा में इसके हिस्से के अनुमान के अलावा जहां उचित हो वहां यह भी स्पष्ट : वित्त दिया जा सकता है और यह क :करें कि किन निवेशों या परियोजना पोर्टफोलियो को पुनहां तक संगत है वित्त की गई :पुन , .परियोजनाओं से कब तक उम्मीद की जाए

जीबीपी विशिष्ट तौर पर मौसम परिवर्तन जल या मृदा प्रदूषण जैसी ,जैव विविधता में कमी और वायु ,प्राकृतिक संसाधनों के समाप्त होने , पर्यावरणीय चिंताओं के मुख्य क्षेत्रों के उद्देश्य से हरित परियोजनाओं हेतु पात्रता की कई वृहत श्रेणियों को मान्यता देती है.

समझाने के लिए नीचे एक सूची दी जा रही है और इसमें ऐसी परियोजनाएं दी गई हैं जो अधिकतर ग्रीन बॉन्ड मार्केट द्वारा समर्थित हैं या फिर जिन्हें समर्थन मिलने की संभावना है हरित परियोजनाएं एक .से अधिक श्रेणियों से संबंधित हो सकती हैं ये श्रेणियां किसी क्रम विशेष . :में नहीं हैं साथ ही इनमें जिन्हें शामिल किया गया है ये वहीं तक सीमित नहीं हैं

- **नवीकरणयोग्य ऊर्जा**(उपस्कर और उत्पाद शामिल हैं ,प्रेषण ,इसमें उत्पादन) ;
- **ऊर्जा कौशल**उपस्कर और उ ,स्मार्ट ग्रिड ,डिस्ट्रिक्ट हीटिंग ,ऊर्जा भंडारण ,जैसे कि नए और फिर से ठीक किए गए भवन) त्पाद(;
- **प्रदूषण रोकथाम और नियंत्रण** मृदा ,ग्रीनहाउस गैस का नियंत्रण ,वायु उत्सर्जन में कमी ,इसमें अपशिष्ट जल का उपचार) अपशिष ,अपशिष्ट की रोकथाम ,उपचार्ट में कमी लाना :उत्सर्जन अपशिष्ट को पुन/अपशिष्ट की रिसाइक्लिंग और ऊर्जा , (निर्माण करना और संबंधित पर्यावरण पर नज़र रखना :अपशिष्ट से मूल्य वर्धित उत्पाद बनाना या पुन ,ऊर्जा में बदलना;
- **जीवित प्राकृतिक संसाधनों का पर्यावरणीय सतत प्रबंधन और भू प्रयोग** पर्यावरणीय ,इसमें पर्यावरणीय सातत्य वाली कृषि) सातत्य वाला पशु पालन; मौसम से बेअसर रहने के कृषि कार्य जैसे कि जैव फसल संरक्षण या ड्रिपसिंचाई-; पर्यावरणीय सातत्य वाली मात्स्यिकी और अक्वाकल्चर; पर्यावरणीय सातत्य वाली वानिकी; इसमें जंगल रोपने या पुन ,जंगल लगाने का कार्य शामिल है : (और प्राकृतिक भूभागों को बचाए रखने या फिर उन्हें फिर से ठीक करने का कार्य शामिल है
- **क्षेत्रगत तथा जलीय जैव विविधता का परिरक्षण**(समुद्रीय और वॉटरशेड पर्यावरणों को बचाया जाना शामिल है ,इसमें तटवर्ती) ;
- **स्वच्छ परिवहन**जैसे क) ि बिजली स्वच्छ ऊर्जा वाहकों हेतु ,मॉडल परिवहन–मल्टी ,मोटर रहित ,रेल ,सार्वजनिक ,हाइब्रिड , (अधिरचना और हानिप्रद उत्सर्जनों में कमी लाना;
- **सातत्यपूर्ण जल तथा अपशिष्ट जल का प्रबंधन** सातत्यपूर्ण नगरीय ,अपशष्टि जल का उपचार ,या पेय जल/इसमें स्वच्छ और) (मल निकासी प्रणालियां और नदी प्रशिक्षण तथा बाढ़ को रोकने के अन्य उपाय शामिल हैं-जल;
- **बदलते मौसम का अनुकूलन**इसमें सूचना सहयोग प्रणालियां शामिल हैं जैसे कि मौसम पर नजर रखना और पहले से चे) तावनी देने की प्रणालियां(;
- **पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने योग्य और उत्पादन तकनीकें और ,या चक्रीय अर्थव्यवस्था के लिए अपनाए गए उत्पाद/** ,लेबल लगा हो या फिर पर्यावरणीय प्रमाणपत्र हो-जैसे कि पर्यावरणीय अनुकूल उत्पादों का विकास जिन पर इको) **प्रक्रियाएं** संसाधन कुशल पैकेजिंग और वितरण(;
- **पर्यावरण अनुकूल भवन** जो कि क्षेत्रीय.राष्ट्रीय या अन्तरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त मानकों या प्रमाणन वाले हों ,

वहीं जीबीपी का प्रयोजन यह नहीं है कि वह यह बताए कि पर्यावरणीय सातत्यपूर्ण लाभों के लिए कौनसी पर्यावरण अनुकूल तकनीकें , बल्कि बीमाकर्ता और अन्य हितधारी ,दावे और घोषणाएं सही हैं ,मानकwww.icmagroup.org/resourcecentre पर संसाधन केन्द्र में सूचीबद्ध लिंक के माध्यम से उदाहरणों को देख सकते हैं कई ऐसे संस्थान हैं जो अपना स्वतंत्र विश्लेषण कतरे हैं ,इसके अलावा . अलग हरित समाधानों की गुणवत्ता कैसी है और उनकी पर्यावरणीय-और सलाह तथा परामर्श देते हैं कि अलगरीति हरित .नीति क्या है- .और हरित परियोजनाओं की परिभाषाएं भी क्षेत्र और भूभाग की भिन्नता पर निर्भर होती हैं

2. परियोजना मूल्यांकन और चयन हेतु प्रक्रिया

ग्रीन बॉन्ड जारीकर्ता स्पष्ट रूप से अपने निवेशकों को सूचित करे:

- पर्यावरणीय सातत्य के उद्देश्य;
- वह प्रक्रिया जिसके माध्यम से बीमाकर्ता यह निर्धारित करता है कि ऊपर बताई गई पात्र हरित परियोजना श्रेणियों के भीतर ये परियोजनाएं किस तरह से ठीक बैठती हैं;

- संबंधित पात्रता मानदंड जिनमें लागू होने पर शामिल न किए जाने वाले मानदंड या फिर कोई ऐसी प्रक्रिया शामिल है जो पहचान और करने के लिए प्रयोग में लाई गई हो और जो संभावित रूप से प्रमुखतया पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए हो और इन परियोजनाओं से जुड़े सामाजिक जोखिम कौनसे हैं.

जारीकर्ताओं को प्रोत्साहित किया जाता है कि वे जारीकर्ता की दृष्टि के भीतर आने वाले उद्देश्यों, उसकी कार्यनीति या पर्यावरणीय/नीति और , जारीकर्ताओं को इस हेतु भी प्रोत्साहित किया जाता है कि वे .सातत्य से संबंधित प्रक्रियाओं के संदर्भ में ही यह जानकारी प्रदान करें .परियोजना चयन में दिए गए हर हरित मानक या फिर प्रमाणन को उजागर करें

जीबीपी उच्च स्तरीय पारदर्शिता को प्रोत्साहित करती है और संस्तुत करती है कि जारीकर्ता परियोजना मूल्यांकन और चयन की प्रक्रिया के साथ बाहरी समीक्षा .को भी लगाएं (बाहरी समीक्षा खंड देखें)

3. धन का प्रबंधन

ग्रीन बॉन्ड की निवल धनराशि या वह धनराशि जो कि इन निवल धनराश ,ियों के बराबर हो-उसे सब ,खाते में जमा हो-वह उप , और जारीकर्ता की ,पोर्टफोलियो में ले जाया जाए या फिर समुचित रीति से जारीकर्ता द्वारा उस पर किसी और तरह से निगाह रखी जाए हरित परियोजनाओं हेतु ऋण तथा निवेश कार्यों से जुड़ी औपचारिक आंतरिक प्रक्रिया में जारीकर्ता द्वारा सत्यापित किया जाए.

जो ग्रीन बॉन्ड बकाया हैं उनकी देखी गई शेष धनराशि को आवंटनों को समान करने के लिए आवधिक रूप से पात्र हरित परियोजनाओं में उस अवधि के दौरान समायोजित किया जाए जारीकर्ता को चाहिए कि वह अनावंटित धनराशि के शेष को अस्थायी रूप से .कहां कहां लगा रहा है उसकी जानकारी वह निवेशकों को दे.

जीबीपी उच्च स्तरीय पारदर्शिता को प्रोत्साहित करती है और संस्तुत करती है कि जारीकर्ता द्वारा धन का प्रबंधन लेखापरीक्षक या अन्य तृतीय पक्ष के साथ मिलकर किया जाए ताकि आंतरिक रूप से नज़र रखे जाने और ग्रीन बॉन्ड धनराशि से निधियों के आवंटन को सत्यापित किया जा सके .(बाहरी समीक्षा खंड देखें)

4. रिपोर्टिंग

जारीकर्ता को चाहिए कि वह पूर्ण आवंटन हो जाने तक वार्षिक रूप से नवीकृत किए जाने हेतु धन के प्रयोग पर अद्यतन जानकारी सदा तैयार रखे और महत्वपूर्ण घटनाओं की दशा में उसे उसके बाद यथावश्यक रूप से रखे इसमें परियोजनाओं की एक सूची होनी चाहिए . .जिसमें आवंटित ग्रीन बॉन्ड हों और परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण हो और आवंटित धनराशि हो तथा उसका संभावित प्रभाव निहित हो या निहित ,प्रतियोगी प्रतिफल ,जब गोपनीयता समझौते परियोजनाओं की बड़ी संख्या हो तो ऐसे में यदि विस्तार से यदि धनराशि न दी जा सके तो जीबीपी की संस्तुति है कि जानकारी दूसरे रूप में दी जाए या फिर यह समेकित पोर्टफोलियो आधार पर दी जाए जैसे कि निश्चित) .(परियोजना श्रेणियों को आवंटित प्रतिशत

परियोजनाओं की प्रत्याशित प्रभाव के बारे में बताने के लिए पारदर्शिता का अपना महत्व होता है जीबीपी की संस्तुति है कि गुणात्मक . बिजली ,जैसे ऊर्जा क्षमता) निष्पादन संसूचकों को प्रयोग में लाया जाए और जहां व्यावहारिक हो वहां परिमाणात्मक निष्पादन मापकों ग्री ,उत्पादननहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाना ,जल के प्रयोग में कमी ,कितने लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाया गया ,का न होना/ या परिमाणात्मक निर्धारण किए जाने में जिन/और मुख्य निहित तरीके को उजागर किया जाए तथा (अपेक्षित कारों की संख्या में कमी आदि मान्यताओं काप्रयोग किया गया है उनकी जानकारी प्रदान की जाए जिन जारीकर्ताओं के पास यह क्षमता हो कि वे प्राप्त किए गए प्रभाव . .को देख सकते हों तो उन्हें प्रोत्साहित किया जाए कि वे उसे अपनी नियमित रिपोर्टिंग में शामिल करें

स्वैच्छिक मार्गदर्शन का लक्ष्य है कि प्रभाव की जानकारी देने हेतु एक से ढांचे पर ध्यान दिया जाए जो कि ऊर्जा कौशल नवीकरण योग्य ,) जल और अपशिष्ट जल परियोजनाओं हेतु विद्यमान हों ,ऊर्जाwww.icmagroup.org/resourcecentre. पर संसाधन केन्द्र में मार्गदर्शन प्रलेखों को देखें इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में परियोजना में प्रभाव की जानकारी दिए जाने के आरूप हेतु टेम्पलेट शामिल किए गए .(जीबीपी और भी पहलों को प्रोत् .हैं और पोर्टफोलियो स्तर पर यह कि जारीकर्ता अपनी परिस्थितियों के अनुसार इन्हें अंगीकार करेंसाहित करती है ताकि प्रभाव की जानकारी प्रदान किए जाने हेतु अतिरिक्त संदर्भ स्थापित करने में सहायता मिले जिन्हें अन्य भी अंगीकार कर सकें औरअतिरिक्त क्षेत्रों हेतु मार्गदर्शी सिद्धांत बनाए जा रहे ह .या अपनी आवश्यकताओं के अनुसार उन्हें अंगीकार कर सकें/ै◌ं.

ग्रीन बॉन्ड की मुख्य विशेषताओं को दर्शाने वाले सार या ग्रीन बॉन्ड प्रोग्राम का प्रयोग और जीबीपी के चारों घटकों के अनुसार इसकी मुख्य विशेषताओं को दर्शा कर बाज़ार के प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान किए जाने में सहायता होगी वहां तक के लिए . www.icmagroup.org/resourcecentre पर एक टेम्पलेट दिया गया है जिसे एक बार भर दिए जाने के बाद बाज़ार की जानकारी हेतु इसे ऑनलाइन उपलब्ध करवाया जा सकता है .(नीचे संसाधन केन्द्र खंड देखें)

बाहरी समीक्षा

संस्तुति है कि जारीकर्ता बाहरी समीक्षा का प्रयोग ऊपर बताए अनुसार जीबीपी की मुख्य विशेषताओं वाले अपने ग्रीन बॉन्डों के अनुरूप होने की पुष्टि करेंजारीकर्ताओं के पास बहुत सारे तरीके हैं कि वे अपने ग्रीन बॉन्ड की प्रक्रिया को निरूपित करने में बाहरी जानका .री प्राप्त कर सकें और समीक्षा किए जाने के कई स्तर और प्रकार हैं जो कि बाज़ार को उपलब्ध करवाए जा सकते हैं इस मार्गदर्शन और बाहरी . :समीक्षाओं में ये शामिल हो सकते हैं

1) परामर्शदाता की समीक्षा या पर्यावरणीय सातत्य में या ग्रीन/जारीकर्ता परामर्शदाताओं से और :बॉन्ड जारी करने के अन्य पहलुओं में मान्यता प्राप्त विशेषज्ञता वाले संस्थानों से सलाह ले सकते हैं जैसे कि जारीकर्ता के ग्रीन बॉन्ड ढांचे की , .समीक्षा/स्थापना"द्वितीय पक्ष के विचार".इस श्रेणी में नहीं आते ,
2) सत्यापन जारीकर्ता के पास इसके अपने :ग्रीन बॉन्ड हो सकते हैं या फिर ,इससे जुड़े हुए ग्रीन बॉन्ड का ढांचा हो सकता है , प्रमाणन .जेसे कि लेखा परीक्षक ,निहित परिसंपत्तियां हों जिनका सत्यापन स्वतंत्रतापूर्वक योग्यता प्राप्त पक्षों द्वारा किया जाए सत्यापन में इस बात पर बल दिया जाए कि ,से उलट आंतरिक मानकों या फिर जारीकर्ता द्वारा किए गए दावों के साथ इनकी संगति कैसी है निहित संपत्तियों की पर्यावरणीय सातत्य वाली विशेषताओं के मूल्यांकन को सत्यापन कहा जा सकता . .है और संदर्भ बाहरी मानदंड हों
3) प्रमाणनजारीकर्ता के अपने ग्रीन बॉन्ड हो सकते हैं य :ा फिर जुड़ा हुआ ग्रीन बॉन्ड ढांचा हो या फिर बाहरी हरित मूल्यांकन मानक की तुलना में प्रमाणित धन का प्रयोग हो निर्धारण मानक मानदंडों को परिभाषित करते हैं और इस अनुकूलता को .

.प्रमाणकों द्वारा जांचे गए हैं/कि ये मानदंड योग्यताप्राप्त तृतीय पक्षों

4) रेटिंग जारीकर्ता के पास अपने ग्रीन बॉन्ड हो सकते हैं या फिर जुड़े हुए ग्रीन बॉन्ड का ढांचा हो जिसे योग्यताप्राप्त तृतीय : जारीकर्ता की ईएसजी से ग्रीन बॉन्ड .पक्षों द्वारा रेट किया गया हो जैसे कि विशेषीकृत अनुसंधान प्रदाता या रेटिंग एजेन्सी रेटिंग अलगहोती है क्योंकि यह मात्र प्रतिभूति विशेष या फिर ग्रीन बॉन्ड ढांचे.कार्यक्रमों पर ही लागू होती है/

हो सकता है कि बाहरी समीक्षा आंशिक हो सकती है इसमें जारीकर्ता के ग्रीन बॉन्ड या इससे जुड़े ग्रीन बॉन्ड के ढांचे के कुछ पहलू या , फिर पूर्ण रूप से कवर किएगए हों.निर्धारण की संगति जीबीपी के चारों घटकों के साथ बिठाई जाए ,

जीबीपी की संस्तुति है कि बाहरी समीक्षाएं आम जनता को बताई जाएं या कम से कम इनका कार्यकारी सारांश बताया जाए जैसे कि , www.icmagroup.org/resourcecentre पर एक टेम्पलेट उपलब्ध है जिसका प्रयोग ऐसा किया जाए इसे एक बार भर लिए जाने के बाद बाज़ार की जानकारी के लिए ऑनलाइन उपलब्ध करवाया जा सकता है जीबीपी प्रोत्साहित .(नीचे संसाधन केन्द्र वाला खंड देखें) करती है कि बाहरी समीक्षा प्रदाता हर हाल मे अपनी प्रामाणिकता और संगत विशेषज्ञता को उजागर करें और की गई समीक्षा के दायरे को स्पष्ट रूप से बताएं.

जीबीपी यह मानकर चलती है कि बाहरी समीक्षा का समय धनराशि के प्रयोग के प्रकार और समीक्षाओं के प्रकाशन पर निर्भर हो सकता है जो कि कारोबारी गोपनीयता की अपेक्षाओं में बाधक हो सकती हैं .

संसाधन केन्द्र

www.icmagroup.org/resourcecentre संसाधन केन्द्र पर संस्तुत टेम्पलेट और अन्य जीबीपी संसाधन उपलब्ध हैं. भरे हुए टेम्पलेट बाज़ार की जानकारी हेतु ऊपर दिए गए लिंक के अनुदेशों का पालन कर ऑनलाइन उपलब्ध करवाए जा सकते हैं.

अस्वीकरण

ग्रीन बॉन्ड प्रिन्सीपल्स स्वैच्छिक प्रक्रिया मार्गदर्शन है जो न तो प्रतिभूतियों को खरीदने या बेचने का प्रस्ताव करता है न ही किसी भी रूप में .ग्रीन बॉन्डों या फिर किन्हीं अन्य प्रतिभूतियों के बारे में कोई सलाह विशेष ही देता है (या विनियामक ,लेखाकर्म ,पर्यावरणीय ,कानूनी ,कर) जनता या निजी स्तर पर कोई अधिकार देता है न ही कोई दायित्व ,ग्रीन बॉन्ड प्रिन्सीपल्स न तो किसी व्यक्ति ही डालता है जारीकर्ता ग्रीन . बॉन्ड प्रिन्सीपल्स को स्वेच्छा तथा स्वतंत्रतापूर्वक अंगीकार करें और ग्रीन बॉन्ड प्रिन्सीपल्स पर भरोसा कर या इसे संसाधन मानकर इनका तथा ग्रीन बॉन्डों को जारी करने के निर्णय हेतु मात्र वे ही उत्तरदा ,कार्यान्वयन न करेंयी होंगे यदि जारीकर्ता ग्रीन बॉन्डों के प्रति अपनी . प्रतिबद्धताओं का पालन नहीं करता है तो और इसके परिणामस्वरूप मिलने वाली निवल धनराशि का प्रयोग के लिए ग्रीन बॉन्ड के बीमाकर्ता विधान और विनियम और इस ग्रीन बॉ,यदि किसी प्रयोजनीय विधि .उत्तरदायी न होंगेन्ड प्रिन्सीपल्स में दिए गए मार्गदर्शन में कोई टकराव है तो संगत स्थानीय विधियां.विधान और विनियम ही मान्य होंगे ,

परिशिष्ट 1

ग्रीन बॉन्डों के प्रकार

वर्तमान में चार प्रकार के ग्रीन बॉन्ड हैं बाज़ार के विकसित होने के साथ और भी नए प्रकार आ सकते हैं) और इन्हें वार्षिक जीबीपी अद्यतनीकरण में शामिल कर लिया जाएगा:(

- **बॉन्ड के धन का मानक पर्यावरण अनुकूल प्रयोग:** जीबीपी के अनुसार ऋण बाध्यकारिता का मानक सहारा जारीकर्ता के पास है.

- **ग्रीन रेवेन्यू बॉन्ड:** इसमें जीबीपी के अनुसार जारीकर्ता को ऋण बाध्यकारिता की शरण नहीं मिलती इसमें बॉन्ड में उधार निहित होता है जो कि राजस्व शाखाओं,शुल्क , करों आदि के नकद प्रवाह प्रति गिरवी होता है और इसकी धनराशि का प्रयोग ऐसी परियोजना के लिए किया जाता है जो कि पर्याव (ओं)रण अनुकूलता से संबंधित हों या फिर न हों .

- **हरित परियोजना बॉन्ड :**एक ऐसा परियोजना बॉन्ड जो एक या फिर अधिक हरित परियोजनाओं के लिए हो और परियोजना(ओं) का जोखिम सीधे ही निवेशक पर आता हो जिसमें जारीकर्ता को कोई शरण या आश्रय मिलना निहित हो या फिर न हो और जो जीबीपी के अनुरूप हो.

- **पर्यावरण संरक्षण प्रतिभूति युक्त बॉन्ड:** एक या अधिक विशिष्ट पर्यावरण अनुकूल परियोजना इसमें ,द्वारा द्विपक्षीय बॉन्ड (ओं) तथा ये जीबीपी के अनुसार ,एमबीएस और अन्य संरचनाएं शामिल तो हैं किंतु ये इन्हीं तक सीमित नहीं हैं ,एबीएस ,कवर्ड बॉन्ड भुगतान किए जाने का पहला स्रोत आमतौर पर परिस :पुन .हों ंपत्तियों का नकद प्रवाह होता है इस तरह के बॉन्ड में उदाहरण . .या उर्जा कौशल परिसंपत्तियों वाली प्रतिभूतियां होती हैं/के लिए परिसंपत्तियों से रक्षित छत के ऊपर लगे सौर पीवी और

नोट:

यह भी माना गया है कि पर्यावरणीयमौसम या अन्य विषयक बॉन्डों का बाज़ार है , जिसे कुछ मामलों में ''प्योर प्ले'' कहा जाता है जिसे ऐसे , संगठनों द्वारा जारी किया जाता है जो कि मुख्यतया या पूरी तरह से पर्यावरणीय सातत्य बनाए रखने वाली गतिविधियों में लगे हैं किंतु जो ऐसी दशा में निवेशको .जीबीपी के चार मुख्य घटकों का पालन नहीं करते ं को तदनुसार सूचित किए जाने की आवश्यकता होती है और ध्यान रखा जाना चाहिए कि ग्रीन बॉन्ड के संदर्भ द्वारा जीबीपी विशेषताओं को इनमें शामिल नहीं किया गया है ऐसे संगठनों को प्रोत्साहित . मौसम या अन्य ,किया जाता है कि ये जहां संभव हो वहां विद्यमान पर्यावरणीय विषयक बॉन्डों हेतु जीबीपी की सर्वोत्तम संगत रीति नीति को- .और भविष्य में इन्हें जीबीपी के साथ संगति बिठाकर जारी किया जाए (जैसे कि रिपोर्टिंग) अंगीकार करें

Hindi language translation courtesy of YES BANK and reviewed by Citi